पूर्णियाँ विश्वविद्यालय, पूर्णियाँ

पाठ्यक्रम

स्नातकोत्तार
हिन्दी

सत्र 2018–20 और आगे ...

Scanned with OKEN Scanner

Name of Department	P.G. Department of Hindi	
Name of Faculty	Humanities	
SEMESTER: I		
Course Code	**Name of Course**	
PUHIN 501	भाषा व लिपि उद्भव एवं विकास	(CC-1)
PUHIN 502	इतिहास दर्शन, साहित्येतिहासदर्शन व हिन्दी साहित्येतिहासलेखन की परंपरा	(CC-2)
PUHIN 503	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आरंभ से रीतिकाल तक)	(CC-3)
PUHIN 504	आदिकालीन हिंदी काव्य	(CC-4)
PUHIN 500	Environmental sustainability & Swachha Bharat Abhiyan Activities	(AECC-1)
SEMESTER: II		
Course Code	**Name of Course**	
PUHIN 505	हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल (भारतेन्दु युग से अब तक)	(CC-5)
PUHIN 506	मध्यकालीन हिन्दी कविता (कबीर, जायसी सूर, तुलसी, मीरा, रैदास, बिहारी और घनानंद)	(CC-6)
PUHIN 507	संस्कृत काव्य	(CC-7)
PUHIN 508	अस्मितामूलक विमर्श	(CC-8)
PUHIN 509	भारतीय आख्यान परंपरा और उपन्यास	(CC-9)
Any one course from the following		
PUHIN 500A	* Yoga Science	(AEC-1)
PUHIN 500B	* Tourism and Hospital Management	(AEC-1)
PUHIN 500C	* Environmental Law	(AEC-1)
SEMESTER: III		
Course Code	**Name of Course**	
PUHIN 510	आधुनिक हिन्दी काव्य	(CC-10)
PUHIN 511	पत्रकारिता मीडिया एवं जनसंचार	(CC-11)
PUHIN 512	उर्दू साहित्य अथवा बांग्ला साहित्य	(CC-12)
PUHIN 513	समकालीन हिन्दी कविता	(CC-13)
PUHIN 514	काव्यशास्त्र	(CC-14)
PUHIN 600	Human values and Gender Sensitization	(AECC-2)
SEMESTER: IV		
Elective Courses		
Course Code	**Name of Course**	
PUHIN 515	साहित्य का समाजशास्त्र और संस्कृतिमूलक अध्ययन	(EC-15)
PUHIN 516	MHNEC-I & MHNEC-II से एक एक खण्ड का चयन	(EC-16)
Any one course from the following groups		
Discipline Specific Group		
PUHIN 518	हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल (भारतेन्दु युग से अब तक)	(DSE-1)
PUHIN 519	Film and Literature	(DSE-2)
OR		
General Elective Group		
PUHIN 520	Inclusive Policies	(GE-1)
PUHIN 521	Human Rights	(GE-2)
PUHIN 522	Resource Scarcity and Environmental Security	(GE-3)

Scanned with OKEN Scanner

पाठ्यक्रम विवरण

स्नातकोत्तर हिन्दी का संपूर्ण पाठ्यक्रम दो वर्षो का है, इसमें 16 CC, 100 क्रेडिट और चार सेमेस्टर है। वर्षवार CC, क्रेडिट एवं सेमेस्टर इस प्रकार है।

(क) प्रथम वर्ष

01. प्रथम सेमेस्टर – CC-1 से CC-4 तक कुल क्रेडिट	**4×5= 20**
AECC-1	**05 = 05**
02. द्वितीय सेमेस्टर – CC-5 से CC-9 तक कुल क्रेडिट	**5×5 = 25**
AEC – 2	**05= 05**

(ख) द्वितीय वर्ष

03. तृतीय सेमेस्टर – CC-10 से CC-14 तक – कुल क्रेडिट	**5×5 = 25**
AECC-2	**05 = 05**
04. चतुर्थ सेमेस्टर – CC-15 और CC-16	**2×5 = 10**
DSE अथवा GE	**05 = 05**

* इन विषयों की परीक्षाओं की प्रकृति निम्नलिखित होगी :–

01. प्रत्येक CC[Core Course] 100 अंक का होगा, जिनमें से 30 अंक विभागीय आंतरिक परीक्षा से और शेष 70 अंक वि. वि. द्वारा संचालित परीक्षा से होंगे।

02. परीक्षा की अवधि तीन घंटे की होगी।

03. प्रत्येक CC के 70 अंकों का विभाजन इस प्रकार होगा :–

01. तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न =	3×10 = 30
02. चार लघूत्तरीय प्रश्न/जहाँ व्याख्या अपेक्षित है (कथा साहित्य, काव्य, नाटक, निबंध आदि में) चार व्याख्याएँ अथवा दो लघूउत्तरीय और दो व्याख्याएँ	4×5 =20
03. दस वस्तुनिष्ट / अतिलघूउत्तरीय प्रश्न	10×02 = 20

* प्रत्येक सेमेस्टर में हिन्दी साहित्य से इतर पाँच–पाँच क्रेडिट के अन्य क्षेत्र के विषय है, जैसे पर्यावरण, स्वच्छता, योग विज्ञान, मानवाधिकार आदि ये विषय आधुनिक जीवन शैली और भौतिक जगत् में संतुलन और सामंजस्य स्थापित करने का शैक्षणिक प्रयास है।

* चतुर्थ सेमेस्टर में CC-16 ऐच्छिक है। इसमें दो समूह है – MHNEC I , MHNEC II प्रत्येक समूह से एक–एक खण्ड का चयन अपेक्षित है।

Scanned with OKEN Scanner

एम. ए. (हिन्दी) पाठ्यक्रम

प्रथम वर्ष
सेमेस्टर एक

प्रत्येक प्रश्न पत्र 100 अंको का होगा इसमें 70 अंक सत्रांत परीक्षा व 30 अंक आंतरिक मूल्यांकन का होगा।

CC-1
क्रेडिट..5

Course Code PUHIN 501:

भाषा व लिपि उद्‌भव एवं विकास
लिपि का इतिहास, देवनागरी लिपि की वैज्ञनिकता, मानकीकरण।
हिन्दी भाषा का उद्‌भव अपभ्रंश, अवहट्ट, पुरानी हिन्दी
हिन्दी भाषा का विकास : अवधी, ब्रज एवं खड़ी बोली का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास खड़ी
स्वतंत्र भारत की राजभाषा और हिन्दी
राष्ट्रभाषा और हिन्दी
आज की हिन्दी

अनुमोदित ग्रंथ :–

1. देवेन्द्रनाथ शर्मा – भाषा विज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
2. भोलानाथ तिवारी – भाषा विज्ञान, किताब महल, इलाहाबाद
3. बाबूराम सक्सेना – सामान्य भाषा विज्ञान, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
4. उदयनारायण तिवारी – हिन्दी भाषा का उद्‌भव और विकास, भारती भंडार, इलाहाबाद
5. सत्यनारायण तिवारी – हिन्दी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास
6. अनंत चौधरी (सं0) – नागरी लिपि : हिंदी और वर्त्तनी, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय
7. **रामविलास शर्मा – भारत की भाषा, नयी दिल्ली समस्य, राजकमल प्रकाशन**
   – भाषा और समाज, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
8. भोलानाथ तिवारी – हिन्दी भाषा
9. देवेन्द्रनाथ शर्मा – राष्ट्रभाषा हिन्दी : समस्याएँ और समाधान
10. चंद्रधर शर्मा – पुरानी हिन्दी, काशी ना. प्र. सभा, 1948
11. रामचंद्र शुक्ल – हिन्दी साहित्य का इतिहास, काशी ना. प्र. सभा सं. 2035
12. किशोरीदास वाजपेयी – हिन्दी शब्दानुसान, ना. प्र. सभा, काशी, सं. 2033
13. नामवर सिंह–हिंदी के विकास में अपभ्रंश का योगदान, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद, 1932
14. सुनीति कुमार चटर्जी–भारतीय आर्य भाषा और हिन्दी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली–1947
15. श्रीराम शर्मा – दक्खिनी का गद्य और पद्य, हिन्दी प्रचार सभा, हैदराबाद, 1954
16. डॉ. शितिकंठ मिश्रा – खड़ी बोली आन्दोलन, ना. प्रं. सभा, काशी, सं. 2013
17. अध्योध्यप्रसाद खत्री स्मारक ग्रंथ – (बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्) पटना 1960
18. राहुल सांकृत्यायन – मातृभाषाओं का प्रश्न (निबंध) (साहित्य निबंधावली)

क. 'राहुल निबंधावली' में दिल्ली, पी. पी. एच. 1983 हिन्दी में पारिभाषिक शब्दों का निर्माण (निबंध) आचार्य रघुवीर का परिभाषा निर्माण निबंध

ख. 'क्या करें' में, प्रयाग, 1939 – ख. हिन्दी साहित्य पर एक दृष्टि (निबन्ध)

19. डॉ. धर्मवीर – हिन्दी की आत्मा, दिल्ली, समता प्रकाशन, 1987
20. अमृत राय – ए हाउस डिवाइडेड (ओ.यू.पी.) 1991
21. क्रिस्टोफर आर. किंग – वन लैंग्वेज, टु स्क्रिप्ट्स दी हिन्दी मूवमेंट इन नाइण्टीथ सेंचुरी नार्थ इंडिया, ओ. यू. पी. मुम्बई, 1994
22. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना – डॉ. वासुदेव नन्दन प्रसाद, भारती भवन, पटना

Scanned with OKEN Scanner

23. वसुधा डालमिया – नेशनलाइजेशन ऑफ हिन्दू ट्रेडीशन भारतेन्दु हरिश्चंद एण्ड नाइनटीण्थ सेंचुरी बनारस ओ. यू. पी. दिल्ली, 1997
24. डॉ. इकबाल अहमद – दक्खिनी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, लोकभारती, इलाहाबाद, 1966
25. राहुल सांकृत्यायन – दक्खिनी हिन्दी काव्यधारा, बिहार, राष्ट्रभाषा परिषद् पटना, 1959
26. पॉल आर. ब्रास – लैंग्वेज, रिलीजियन एंड पॉलिटिक्स इन नार्थ इंडिया, कैंम्ब्रिज यूनिवर्सिटी, प्रेस, 1974
27. वीर भारत तलवार – रस्साकशी, सारांश प्रकाशन, दिल्ली, 2002
28. मीर अम्मन – बागो–बहार सारांश प्रकाशन, दिल्ली, 1966
29. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय – आधुनिक हिन्दी साहित्य (1850–1900) लोक भारती, इलाहाबाद, 1998
30. डॉ. श्रीराम शर्मा : दक्खिनी हिन्दी का उद्‌भव ओर विकास, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग 1964
31. प्रयोजन मूलक हिन्दी : विविध संदर्भ , ले. डॉ. विनय कुमार चौधरी

CC-2

क्रेडिट : 5

Course Code PUHIN 502:

इतिहास दर्शन, साहित्येतिहासदर्शन व हिन्दी साहित्येतिहासलेखन की परंपरा

साहित्येतिहास के प्रमुख सिद्धांत : विधेयवाद, मार्क्सवाद और संरचनावाद
हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की समस्याएँ
काल–विभाजन का आधार
साहित्यिक प्रवृत्तियों का अंतस्संबंध
सामाजिक परिवेश और सांस्कृतिक परंपरा व संदर्भ
इतिहास और आलोचना
हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की परंपरा

अनुमोदित ग्रंथ :–

1. ई. एच. कार. – इतिहास क्या है ?
2. नलिनविलोचन शर्मा– साहित्य का इतिहास दर्शन
3. हीगेल – फिलासफी ऑफ हिस्ट्री
4. रामविलास शर्मा – इतिहासदर्शन
5. आर. कलिंगवुड – द आइडिया ऑफ हिस्ट्री
6. आर. कलिंगवुड – हिस्टारिकल इमैजिनेशन
7. जे. वर्कहार्ड – जजमेंट ऑन हिस्ट्री एंड हिस्टोरियन
8. श्याम कश्यप (सं.)–हिन्दी साहित्येतिहासलेखन की समस्याएँ, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली
9. एच बटरफील्ड – द हिंवग इंटरनेशन ऑफ हिस्ट्री
10. बट्रेंड रसेल – पोरट्रेट्स ऑफ हिस्ट्री
11. ऐक्टन – हिस्टोरिकल एसेज एंड स्टडीज
12. एम. सी. डी. आर्सी – दि सेंस आफॅ हिस्ट्री सेकुलर एंड सैक्रेड
13. रामचन्द्र शुक्ल – हिन्दी साहित्य का इतिहास
14. डॉ. नागेन्द्र (सं.) हिन्दी साहित्य का इतिहास
15. हजारी प्रसाद द्विवेदी – हिन्दी साहित्य की भूमिका
    – हिन्दी साहित्य का उद्‌भव और विकास
16. सुधीश पचौरी – उत्तर आधुनिकता और उत्तर संरचनावाद
17. गोपीचंद नारंग – संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद और प्राच्य काव्यशास्त्र
18. मैनेजर पांडेय – साहित्य और इतिहास दृष्टि

Scanned with OKEN Scanner

CC-3
क्रेडिट 5

Course Code PUHIN 503: हिन्दी साहित्य का इतिहास (आरंभ से रीतिकाल तक)

- ❖ हिन्दी साहित्य का आरंभ : कब और कैसे ? पूर्ववर्त्ती साहित्यिक परंपराएँ, आदिकाल के प्रमुख कवि और उनका काव्य, प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियाँ
- ❖ भक्ति आंदोलन के उदय की सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, दार्शनिक आधार, भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप और उसका अंतः प्रादेशिक वैशिष्ट्य, भक्ति आंदोलन और लोक जागरण
- ❖ निर्गुण भक्ति का सामाजिक आधार, प्रमुख निर्गुण कवि और उनकी रचनाओं में समकालीन समाज का चित्र, भारत में सूफी मत का उदय और विकास, हिन्दी के प्रमुख सूफी कवि और उनका काव्य, सूफी मत के सामान्य सिद्धांत संतकाव्य की सामान्य विशेषताएँ
- ❖ सगुण भक्ति काव्य की सामान्य विशेषताएँ, कृष्ण काव्य की सामान्य विशेषताएँ, रामकाव्य की सामान्य विशेषताएँ
- ❖ रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, रीतिकाल के मूल स्त्रोत, दरबारी संस्कृति और रीतिकाव्य, रीतिकाल की विभिन्न काव्यधाराएँ – रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त, प्रमुख कवि और उनका काव्य, रीतिकाव्य की सामान्य विशेषताएँ

अनुमोदित ग्रंथ –

1. रामचन्द्र शुक्ल – हिंदी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी – हिन्दी साहित्य की भूमिका
3. हजारी प्रसाद द्विवेदी – हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. हजारी प्रसाद द्विवेदी – हिन्दी साहित्य का आदिकाल, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
5. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र – हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग–एक) वाणी विज्ञान, ब्रह्मनाल, वाराणसी।
6. डॉ. नागेन्द्र (सं.) हिंदी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
7. रामस्वरूप चतुर्वेदी – हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती, इलाहाबाद।
8. नलिन विलोचन शर्मा – साहित्य का इतिहास – दर्शन, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
9. बच्चन सिंह – हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
10. मैनेजर पांडेय – साहित्य और इतिहास दृष्टि, वाणी प्रकाशन दिल्ली।
11. अवधेश प्रधान – हिन्दी साहित्य के इतिहास की समस्याएँ, साहित्य वाणी, इलाहाबाद
12. प्रो. एहतेशाम हुसैन – उर्दू साहित्य का इतिहास, अंजुमन तरक्की–ए–उर्दू, ओन्यू हाउस, नई दिल्ली।
13. वशिष्ठ अनूप – हिन्दी साहित्य का अभिनव इतिहास
14. डॉ. त्रिभुवन सिंह, डॉ. विजयपाल सिंह – साहित्य निबंध
15. डॉ. शंभुनाथ शुक्ल – आदिकालीन हिन्दी साहित्य
16. डॉ. जयदेव सिंह तथा डॉ. वासुदेव सिंह – कबीर–वाड्मय : रमैनी
17. डॉ. जयदेव सिंह तथा डॉ. वासुदेव सिंह – कबीर–वाड्मय : सबद
18. डॉ. जयदेव सिंह तथा डॉ. वासुवेद सिंह – कबीर–वाड्मय : साखी
19. डॉ. नागेन्द्रनाथ उपाध्याय – गोरखनाथ : नाथ सम्प्रदाय के परिप्रेक्ष्य में
20. डॉ. वासुदेव सिंह – हिन्दी सन्त काव्य : समाजशास्त्रीय अध्ययन
21. आचार्य रामचन्द्र तिवारी – मध्ययुगीन काव्य साधना
22. डॉ. नागेन्द्रनाथ उपाध्याय – बौद्ध कापालिक साधना और साहित्य
23. डॉ. शिवनारायण सिंह – रीतिकालीन वीर–काव्यों का सांस्कृतिक अध्ययन
24. शिव कुमार मिश्र – भक्तिकाव्य और लोकजीवन
25. के. दामोदरन – भारतीय चिंतन परंपरा
26. प्रेमशंकर – भक्तिकाव्य की भूमिका
27. विश्वनाथ त्रिपाठी – हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास
28. कबीर कालीन भारतीय समाज – डॉ. अरूण शास्त्री
29. डॉ. समदर्शी कुमार – रामचरित मानस शैलीमापक्रमी सन्दर्भ

Scanned with OKEN Scanner

CC-4
क्रेडिट – 5

Course Code PUHIN 501:

आदिकालीन हिंदी काव्य

चंदबरदाई – पृथ्वीराज रासो, सं. ह. प्र. द्विवेदी एवं नामवर सिंह–कैमास वध प्रसंग इंछिनी विवाह प्रसंग एवं संयोगिता स्वयंवर
अब्दुर्रहमान – संदेश रासक, सं. ह. प्र. द्विवेदी एवं विश्वनाथ त्रिपाठी द्वितीय
विद्यापति – विद्यापति की पदावली, सं0 रामवृक्ष बेनीपुरी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
अमीर खुसरो : चयनित पाठ
अनुमोदित पुस्तक – सूची

1. पृथ्वीराज रासो, सं. हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल, हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. पृथ्वीराज रासो की भाषा, नामवर सिंह
4. पृथ्वीराज रासो, सं. माता प्रसाद गुप्त
5. विद्यापति, शिव प्रसाद सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद
6. कीर्तिलता और विद्यापति का युग, अवधेश प्रधान, वि.वि. प्रकाशन वाराणसी
7. जायसी ग्रंथावली, भूमिका सं. रामचन्द्र शुक्ल
8. जायसी, विजयदेव नारायण साही, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
9. चंदबरदाई, शांता सिंह, साहित्य अकादमी, दिल्ली
10. पद्मावत सं. माताप्रसाद गुप्त
11. हिन्दी काव्य में निर्गुण सम्प्रदाय, पीताम्बर बड़थ्वाल
12. **Mithila in age of vidyapati, Radha Krishna Chaudhary Varanasi, 1976**
13. मध्युगीन प्रेमाख्यानक काव्य, नित्यानंद तिवारी
14. हिन्दी काव्य की निर्गुणधारा में भक्ति, श्यामसुंदर शुक्ल, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
15. सूफीमत : साधना और साहित्य, रामपूजन तिवारी, ज्ञानमंडल, वाराणसी
16. कबीर कालीन समाज – डॉ. अरूण शास्त्री

Scanned with OKEN Scanner

द्वितीय सेमेस्टर
CC-5
क्रेडिट – 5

Course Code: PUHIN 505:

हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल (भारतेन्दु युग से अब तक)

- ❖ सन् 1857 की क्रांति और हिन्दी प्रदेश का नवजागरण, भारतेन्दु हरिश्चंद्र और उनका मंडल, अन्य महत्त्वपूर्ण लेखक
- ❖ भारतेन्दु पूर्व हिन्दी गद्य, खड़ी बोली हिन्दी गद्य का विकास, फोर्ट विलियम कॉलेज और ईस्ट इंडिया की भाषा नीति, 19वीं सदी में हिन्दी की प्रमुख पत्र–पत्रिकाएँ, भारतेन्दुयुगीन साहित्य की प्रमुख विशेषताएँ
- ❖ महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, सरस्वती और हिन्दी नवजागरण, मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा

  हिन्दी में आधुनिक गद्य विधाओं का उदय एवं विकासः आलोचना, निबंध नाटक, उपन्यास कहानी, आत्मकथा, जीवनी, यात्रा–वृतांत, संस्मरण आदि।

- ❖ राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन और हिन्दी पर उसका प्रभाव– हिन्दी में स्वच्छंतावादी प्रवृत्ति का उदय, विकास और छायावाद
- ❖ प्रगतिशील आंदोलन और हिन्दी साहित्य, प्रगतिशील साहित्य की विशेषताएँ
- ❖ स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य, देश विभाजन और साहित्य, कविता और नई कविता
- ❖ आंचलिक उपन्यास और उपन्यासकार, नई कहानी आंदोलन और उसके बाद की कहानी, नाटक और रंगमंच के क्षेत्र में नये प्रयोग, हिन्दी आलोचना का विकास
- ❖ समकालीन हिन्दी साहित्य – कविता, कहानी, उपन्यास, नाटक आदि में नई प्रवृतियों का उदय, साहित्यिक पत्रकारिता और लघु पत्रिका आंदोलन, हिन्दी साहित्य में स्त्री लेखन, दलित–लेखन

अनुमोदित ग्रंथः–

1. रामचन्द्र शुक्ल – हिन्दी साहित्य का इतिहास
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी – हिन्दी साहित्य : उद्‌भव और विकास
3. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र – हिन्दी साहित्य का अतीत, दो भाग
4. मैनेजर पाण्डेय – भक्ति आंदोलन और सूरदास, दिल्ली, 1994
5. रामविलास शर्मा – भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1994
6. मैनेजर पाण्डेय – साहित्य और इतिहास दृष्टि, पीपुल्स लिटरेसी, दिल्ली, 1981
7. नंददुलारे वाजपेयी – हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी, लोकभारती, इलाहाबाद, 1983
8. विश्वनाथ त्रिपाठी – हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास, एन.सी.ई आर.टी. दिल्ली, 1986
9. रामस्वरूप चतुर्वेदी – हिन्दी साहित्य और संवदेना का इतिहास, लोकभारती, इलाहाबाद, 1986
10. नामवर सिंह – कविता के नये प्रतिमान, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 1986
11. देवीशंकर अवस्थी : विवेक के रंग, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1985
12. ओमप्रकाश वाल्मीकि, दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली 2001
13. राजेन्द्र यादव/अर्चना वर्मा, सं. – अतीत होती सदी और स्त्री का भविष्य, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2001
14. महादेवी वर्मा – श्रृंखला की कड़ियाँ, भारती भण्डार इलाहाबाद, 1958
15. बच्चन सिंह – हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1996
16. श्यौराज सिंह बेचैन, देवेन्द्र चौबे, सं. चिंतन की परंपरा और दलित साहित्य : नवलेखन प्रकाशन, हजारीबाग और रमणिका फाउण्डेशन, दिल्ली, 2001
17. S.C Malik (Ed.) – Indian Documents : Some Aspects of Dissent Protest and Reform, Shimla 1978
18. Savitri Chandra – Social Life and Concepts in Medieval Hindi Bhakti Poetry, Meerut, 1983
19. विजयेन्द्र स्नातक – हिन्दी साहित्य का इतिहास, साहित्य अकादमी, दिल्ली, 1996
20. देवेन्द्र चौबे – आधुनिक साहित्य में दलित विमर्श, ओरियंट ब्लैकस्वान, दिल्ली 2009
21. दीपक कुमार देवेन्द्र चौबे सं. हाशिये का वृतांत : स्त्री दलित और आदिवासी समाज का वैकल्पिक इतिहास, आधार प्रकाशन, पंचकुला 2011

Scanned with OKEN Scanner

22. सुमन राजे – हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास
23. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय – आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास
24. नामवर सिंह – इतिहास और आलोचना
,, – छायावाद
,, – आधुनिक हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ
25. रामचन्द्र तिवारी – हिन्दी का गद्य साहित्य
,, – आधुनिक हिन्दी साहित्य : विविध आयाम
26. रामस्वरूप चतुर्वेदी – गद्य साहित्य : विकास और विन्यास
27. आलोचना की संवेदना – डॉ. मुहम्मद कमाल

Scanned with OKEN Scanner

CC-6
क्रेडिट – 5

Course Code: PUHIN 506:

मध्यकालीन हिन्दी कविता (कबीर, जायसी, सूर, तुलसी, मीरा, रैदास, बिहारी और घनानंद)

कबीर – ह. प्र. द्विवेदी कृत कबीर, राजकमल नई दिल्ली (छंद क्रम सं. 207 से अंत तक)
जायसी – पद्मावत, वासुदेवशरण अग्रवाल (केवल नागमती वियोग खंड)
सूरदास – भ्रमरगीत सार, सं. रामचन्द्र शुक्ल
(पद सं. 64, 76, 85, 89, 95, 97, 121, 138, 140, 210, 316, 366, 384, 400, 15, 49) = 10
तुलसीदास – रामचरित मानस (बालकांड – आरंभ से 37 वें दोहे तक) धनुष मंग प्रसंग
मीरा – मीरा का काव्य : विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
(10 पद : मण थैं परस हरि रे चरण, तनक हरि, अली री म्हारे णेणां बाण पड़ी, म्हाँ गिरधर आगा नाच्या री, म्हांरा री गिरिधर गोपाल, माई सांवरे रंग रांची, मैं गिरधर के घर जाँऊ माई री म्हां लिया गोविदा मोल, माई म्हाणे सुपणा माँ
रैदास – संत काव्य संग्रह सं. परशुराम चतुर्वेदी नया संस्करण किताब महल, इलाहाबाद (प्रारंभ के बी पद)
बिहारी – बिहारी रत्नाकर सं. जगन्नाथ दास रत्नाकर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(दोहा सं. 1, 2, 3, 20, 25, 32, 34, 35, 38, 41, 46, 51, 55, 61, 70, 73, 88, 94, 101, 141, 689 (कुल 20 दोहे)
घनानंद – स्वर्ण मंजूषा, से नलिन विलोचन शर्मा एवं केसरी कुमार
(छंद सं. 1, 2, 3, 9, 14, 15, 16, 18, 21 एवं 22)
अनुमोदित ग्रंथ :–

1. ह. प्र. द्विवेदी – कबीर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. रघुवंश – कबीर एक नई दृष्टि, इलाहाबाद नई दिल्ली
3. पुरुषोत्तम अग्रवाल – अकथ कहानी प्रेम की, राजकमल, नई दिल्ली
4. डॉ, धर्मवीर – कबीर के आलोचक
5. संत कवि रैदास – सं. डॉ. पूनम कुमारी, निर्मल पब्लिकेशन्स दिल्ली
6. रामचन्द्र शुक्ल – सूरदास
7. रामचन्द्र शुक्ल – गोस्वामी तुलसीदास
8. विश्वनाथ त्रिपाठी – लोकवादी तुलसीदास
9. ह. प्र. द्विवेदी – सूर साहित्य
10. हरवंश लाल शर्मा – सूर और उनका साहित्य
11. नंद दुलारे वाजपेयी – महाकवि सूरदास, अलीगढ़
12. मैनेजर पांडेय – भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य, नई दिल्ली
13. प्रेमशंकर – रामकाव्य और तुलसी
14. विश्वनाथ त्रिपाठी – मीरा का काव्य
15. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र – बिहारी, वाराणसी
16. बच्चन सिंह – बिहारी का नया मूल्यांकन
17. मनोहर लाल गौड़ – घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा
18. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र – घनानंद कविता, वाराणसी
19. ज्योतिसर शर्मा – श्रृंगारी रीतिमुक्त काव्य में प्रतियोक्ति
20. इमरै बंधा – घनानंद
21. डॉ. रामदेव प्रसाद – रामचरित मानस की काव्य भाषा
22. डॉ. अरूण शास्त्री – कबीर कालीन समाज
23. काव्य पीयूष – डॉ. विनय कुमार चौधरी

Scanned with OKEN Scanner

CC-7
क्रेडिट – 5

Course Code: PUHIN 507:

संस्कृत साहित्य

संस्कृत **महाकाव्य**

संस्कृत गीतिकाव्य – गीत गोविन्द

संस्कृत नाटक

संस्कृत गद्यकाव्य

पाठ्य–पुस्तक मेघदूत (पूर्वमेघ) 10 छन्द

अनुमोदित ग्रंथ :–

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ. वचनदेव कुमार, नेशनल पाबलिशिंग हाउस, दिल्ली
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास – राधावल्लभ त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3. संस्कृत कवियों का रचना – संसार, जयशंकर त्रिपाठी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. संस्कृत सुकवि समीक्षा – बलदेव उपाध्याय, चौखम्भा, वाराणसी
5. संस्कृत नाटककार – कान्ति किशोर भरतिया, हिन्दी समिति, लखनऊ
6. मेघदूतः एक पुरानी कहानी – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकलम प्रकाशन, दिल्ली
7. संस्कृत रूपक के प्रकार (अनु.) डॉ. वंशीधर लाल, बिहार गुंजन कुटीर, पटना

Scanned with OKEN Scanner

CC-8
क्रेडिट – 5

Course Code: PUHIN 508:

अस्मितामूलक विमर्श

अस्मिता की अवधारणाएँ और सिद्धांत, अस्मिता– निर्माण की प्रक्रिया और प्रकृति ?

हाशिए की अस्मिताएँ अल्पसंख्यक अस्मिताएँ

जेंडर की अवधारणा और स्त्रीत्ववादी चिंतकों की अवधारणाएँ

जेंडर अस्मिता, यौन–अस्मिता और सत्ता

जेंडर, भाषा और साहित्य

अंबेडकर और परवर्त्ती दलित विचारक

दलित आंदोलन और दलित साहित्य

दलित साहित्य और भाषा

पाठ–दलित कविताएँ, हीराडोम, बिहारी लाल हरित, निर्मला पुतुल, डॉ. दयानंद बटोही और बलदेव प्रसाद श्रीवास्तव

दलित कहानियाँ – चतुरी चमार (निराला), कहीं धूप कहीं छाया (बेनीपुरी), विरामचिन्ह, (प्रसाद),सौभाग्य के कोड़े (प्रेमचंद), कर्ज (मोहनदास नैमिशराय), सलाम (ओमप्रकाश वाल्मीकि) लाठी (जयप्रकाश कर्दम)

दलित उपन्यास – वीरांगना झलकारी बाई (मोहदास नैमिशराय), उधर के लोग (अजय नावरिया) कोई एक उपन्यास

दलित आत्मकथा – जूठन (ओम प्रकाश वाल्मीकि)

स्त्री आत्मकथा – अन्या से अनन्या (प्रभाखेतान)

अनुमोदित ग्रंथ :–

1. M. Melleci – New social movements : A Theoritical Approach
2. T.S. Kuhn (Ed.) – The Kristieva Reader
3. Beverly Skeggs – Feminist Cultural theory process and production
4. Sylvia Walby – The originating patriarchy
5. Tony Resemery – Feminist Thought : A comprehensive introduction
6. Mary Wollstone craft – A vindication of the Rights of Women.
7. J.S. Mill - The Subjection of Women.
8. डॉ. भीमराव अम्बेडकर – अम्बेडकर समग्र, भारत सरकार का प्रकाशन
9. ज्योतिबा फुले – ज्योतिबा फुले समग्र
10. अभय कु. दुबे (सं.) – आधुनिकता के आईने में दलित
11. सिमोन द बोउवा – स्त्री उपेक्षिता (अनु. प्रभा खेतान)
12. महादेवी वर्मा – श्रृंखला की कड़ियाँ
13. डॉ. शरण क. लिंबाले – दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
14. ओम प्रकाश वाल्मीकि – दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र
15. कंवल भारतीय – दलित विर्मश की भूमिका
16. साधना आर्य (सं.) नारीवादी राजनीति : संघर्ष और मुद्दे व जिनी लोकनीता
17. सदानंद शाही (सं.) दलित साहित्य की अवधारणा और प्रेमचंद
18. प्रभा खेतान – उपनिवेश में स्त्री
19. डॉ. सुरेन्द्र नारायण यादव – संक्रमण और रेणुकी औपन्यासिक नारियाँ

Scanned with OKEN Scanner

CC-9
क्रेडिट – 5

Course Code: PUHIN 509:

भारतीय आख्यान परंपरा और उपन्यास

उन्नीसवीं शताब्दी के भारतीय उपन्यासों की प्रमुख प्रवृत्तियाँ – सुधारवादी आख्यान, अद्‌भुत कथा ऐतिहासिक उपन्यास–दास्तान और किस्सा, यथार्थवाद का आरंभ

बीसवीं सदी का पूर्वार्द्ध और भारतीय उपन्यास की विशिष्ट पहचान

स्वाधीनता संग्राम और हिन्दी उपन्यास (विशेषकर प्रेमचंद)

भारतीय उपन्यास चिंतन, हिंदी उपन्यास चिंतन

उपन्यास और राष्ट्र

उपन्यास और मध्यवर्ग

व्यक्ति और उपन्यास

अंचल, गांव, शहर और उपन्यास

देश का विभाजन और उपन्यास

अस्मितागत उपन्यास

पाठ–प्रेमचंद (गोदान) फणीश्वरनाथ रेणु (मैला आंचल), नागार्जुन (बलचनमा), भीष्म सहनी (तमस)

अनुमोदित ग्रंथ :–

1. विश्वनाथ काशीनाथ राजवाडे – उपन्यास, आलोचना 89, (जनवरी – मार्च 1988)
2. जॉर्ज लुकाच – उपन्यास का सिद्धांत
3. रॉल्फ फॉक्स – उपन्यास और लोक जीवन
4. गोपाल राय – हिन्दी उपन्यास का इतिहास
5. इन्द्रनाथ मदान – आज का हिन्दी उपन्यास

   इन्द्रनाथ मदान – हिन्दी उपन्यास : पहचान और परख
6. राजेन्द्र यादव – उपन्यास : स्वरूप और संवेदना
7. रामदरश मिश्र – हिन्दी उपन्यास : एक अंर्तयात्रा
8. परमानंद श्रीवास्तव – उपन्यास का यथार्थ और रचनात्मक भाषा
9. मीनाक्षी मुखर्जी – रियलिज्म एंड रियल्टी : नॉवेल एंड सोसायटी इन इंडिया
10. शिव कुमार मिश्र – यथार्थवाद
11. रामविलास शर्मा – प्रेमचंद और उनका युग
12. नित्यानंद तिवारी – हिन्दी उपन्यास (1950 के बाद)
13. सीताराम झा' श्याम' – भारतीय स्वतंत्रता संग्राम और हिन्दी उपन्यास
14. नेमिचन्द जैन – अधूरे साक्षात्कार
15. ज्ञानचंद जैन – प्रेमचंद पूर्व के हिन्दी उपन्यास
16. टी.डब्लू क्लार्क (सं.) – द नॉवेल इन इंडिया लंदन 1970
17. राजेन्द्र प्रसाद मिश्र – आंचलिकता की कला और कथा साहित्य
18. नन्द दुलारे वाजपेयी – प्रेमचंद : एक साहित्यिक विवेचन
19. चंद्रकांत बांदिवडेकर – जैनेन्द्र के उपन्यास : मर्म की तलाश
20. अशोक वाजपेयी – जैनेन्द्र की आवाज
21. सुवास कुमार – आंचलिकता, यथार्थवाद और रेणु

Scanned with OKEN Scanner

22. शशिभूषण सिंघल – हिंदी उपन्यास और प्रवृत्तियाँ
23. कमलेश अवस्थी – परंपरा और आधुनिकीकरण
24. गोपाल राय – अज्ञेय और उनके उपन्यास
25. सत्यप्रकाश मिश्र (सं.) – गोदान का महत्त्व
26. मधुरेश – हिन्दी उपन्यास का विकास
27. विजय मोहन सिंह – कथा समय
28. नन्द किशोर नवल (सं.)–कसौटी (पत्रिका) का समापन अंक बीसवीं सदी : कालजयी कृतियाँ
29. लुसिए गोल्डमान – टुआर्डस द सोशियोलोजी ऑफ नॉवेल
30. डॉ. सुरेन्द्र नारायण यादव – अलक्षित गौरवः रेणु
31. डॉ. सुरेन्द्र नारायण यादव – संक्रमण और रेणु की औपन्यासिक नारियाँ
32. डॉ. सियाराम तिवारी – रेणु : कर्तत्त्व और कृतियाँ
33. डॉ. गोपीकृष्ण प्रसाद – फणीश्वर नाथ रेणु : व्यक्तित्त्व, काल और कृतियाँ
34. डॉ. पुष्पा जतकर – रचनाकार रेणु
35. डॉ. सीताराम चन्द्र भानू सोनवण – कथाकार फणीश्वर नाथ रेणु
36. डॉ. रामदेव प्रसाद – मैला आँचल की कथा–भाषा का शैली वैज्ञानिक अध्ययन
37. डॉ. सुरेन्द्र चौधरी – फणीश्वर नाथ रेणु
38. डॉ. विनय कुमार चौधरी – कोशी क्षेत्र के लोकगीतों का समाजशास्त्रीय अध्ययन
39. वीरेन्द्र यादव – उपन्यास और वर्चस्व की सत्ता (एक सबाल्टर्न प्रस्तावना)

Scanned with OKEN Scanner

तृतीय सेमेस्टर

CC-10

क्रेडिट 5

Course Code: PUHIN 510:

आधुनिक हिन्दी काव्य

खड़ी बोली की कविता में आख्यानपरकता

आधुनिकता और आख्यान काव्य

व्यक्ति और प्रबंध काव्य

राजनीति और काव्य

1. साकेत– मैथिलीशरण गुप्त–लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद (व्याख्या हेतु केवल नवम सर्ग)
2. कामायनी – जयशंकर प्रसाद (व्याख्या हेतु केवल श्रद्धा सर्ग)
3. राग विराग – निराला, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद राम की शक्ति पूजा, सरोज स्मृति तोड़ती पत्थर
4. तारापथ – पंत लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद (आरंभिक पाँच कविताएँ)
5. सन्धिनी – महोदवी (आरंभिक अंत के दस गीत)
6. उर्वशी– दिनकर (व्याख्या हेतु केवल तृतीय सर्ग)
7. बच्चन– लहरों का निमंत्रण, निर्माण, तुम गा दो, सोन भदरी लौटो राजहंसो/युग का हुआ प्रतिनिधि कविताएँ – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
8. नेपाली– परिचय भाई बहन, कवि, विश्व सुन्दरी, नवीन कल्पना करो, मेरा धन है स्वाधीन कलम प्रतिनिधि कविताएँ– राजकलम प्रकाशन, दिल्ली
9. धूमिल की श्रेष्ठ कविताएँ – सं. बलदेव मिश्र, शिव कुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद मोची राम और पटकथा।
10. आचार्य जानकी बल्लभ शास्त्री – मै गाऊँ तेरा मन्त्र समझ, बाँसुरी, बादल राग, शिक्षा राधा (प्रणय पर्व का प्रारम्भ) उत्तम पुरूष – अभिधा प्रकाशन मुज.

इसमे से किसी पाचँ कतिवयों का अध्ययन–अध्यापन अपेक्षित है।

अनुमोदित ग्रंथ :–

1. आधुनिक हिन्दी कविता का इतिहास – डॉ. नन्दकिशोर नवल, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
2. कामायनी सौन्दर्य – फतह सिंह, भारती भण्डार, इलाहाबाद
3. दिनकर रचनावली– डॉ. नंद किशोर नवल एवं डॉ. अरुण कुमार, लोकभारती प्रकाश इलाहाबाद
4. गुप्त प्रसाद और निराला की कविताएँ सम्पादक – डॉ. इन्द्रनारायण यादव
5. छायावादोत्तर हिन्दी काव्य सम्पादक डॉ. विनया कुमार चौधरी
6. कामायनी परिशीलन – सं. नन्द किशोर नवल, अनुपम प्रकाशन, पटना।
7. कामायनी लोचन – डॉ. उदय भानु सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
8. राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त और साकेत– प्रो. सूर्य प्रसाद दीक्षित, किताब घर प्रकाशन, दिल्ली।
9. मैथिलीशरण – डॉ. नन्द किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन दिल्ली।
10. छायावाद – डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन दिल्ली।
11. प्रसाद का काव्य – डॉ. प्रेमशंकर राधाकृष्ण

Scanned with OKEN Scanner

10. निराला की साहित्य साधना (दूसरा भाग)– डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
11. निराला कृति से साक्षात्कार – नन्द किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन दिल्ली।
12. निराला : आत्महन्ता आस्था, दूधनाथ सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
13. निराला की कविताएँ और काव्य भाषा – रेखा खरे, लोकभारती
14. काव्य विमर्श : निराला –डॉ. रेवती रमण, जवाहर पब्लिशर्स ऐन्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली।
15. आधुनिक हिन्दी कविता – डॉ. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी लोकभारती।
16. महीयसी महादेवी – गंगा प्रसाद पाण्डेय, लोकभारती
17. महादेवी – इन्द्रनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
18. जयशंकर प्रसाद– रमेशचन्द्र शाह, साहित्य अकादेमी
19. निराला – परमानन्द श्रीवास्तव, साहित्य अकादेमी
20. सुमित्रानन्दन पंत – कृष्ण दत्त पालीवाल, साहित्य अकादेमी
21. मैथिलीशरण गुप्त – रेवती रमण, साहित्य अकादेमी
22. दिनकर – विजेन्द्र नारायण सिंह, साहित्य अकादेमी
23. दिनकर – सावित्री सिन्हा, राधाकृष्ण
24. उर्वशी : उपलब्धि और सीमा, विजेन्द्र नारायण सिंह, परिमल प्रकाशन, इलाहाबाद
25. डॉ. कुमार विमल – सौन्दर्यशास्त्र के तत्त्व
26. डॉ. कुमार विमल – छायावाद का सौन्दर्यशास्त्रीय अध्ययन
27. डॉ. कामेश्वर पंकज – महादेवी वर्मा के काव्य में अप्रस्तुत योजना का सौन्दर्य
28. डॉ. मुहम्मद कमाल – अप्रस्तुत योजना और निराला की कविता
29. उर्वशीः विचार और विश्लेषण – सं. डॉ. वचनदेव कुमार नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
30. दिनकर अर्धनारीश्वर कवि – नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
31. दिनकर की साहित्य साधना – सं. सतीश कुमार, राय, अभिधा प्रकाशन, मुजफ्फरपुर
32. कवि अज्ञेय – नन्द किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन
33. निराला की विचारधारा और विवेकानंद, डॉ. तुरूण कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
34. अज्ञेय – सं. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, नेशनल पबिलिशिंग हाउस, दिल्ली
35. नेपाली : चिन्तन–अनुचिन्तन : सं. सतीश कुमार राय, समीक्षा प्रकाशन, मुजफ्फरपुर
36. त्रयी – आचार्य जानकी वल्लभ शास्त्री, अभिधा प्रकाशन, मुजफ्फरपुर
37. गोपाल सिंह नेपाली – सतीश कुमार राय, किताब पब्लिकेशन, मुजफ्फरपुर
38. नेपाली के काव्य में राष्ट्रीयता – डॉ. विनय कुमार चौधरी
39. गुप्त प्रसाद एवं निराला के काव्य – सं. डॉ. विनय कुमार चौधरी

Scanned with OKEN Scanner

CC-11

क्रेडिट – 5

Course Code: PUHIN 511:

पत्रकारिता मीडिया एवं जनसंचार

1. पत्रकारिता – परिभाषा स्वरूप एवं भेद
2. समकालीन हिन्दी मीडिया – प्रिन्ट मीडिया प्रमुख पत्र एवं पत्रिकाएँ इलेक्ट्रोनिक मीडिया–रेडियो, टेलिविजन, फिल्म, इन्टरनेट
3. जनसंचार – स्वरूप एवं भेद
4. मीडिया लेखन – समाचार फीचर, साक्षात्कार, रिपोतांज
5. मीडिया के विभाग – सम्पादक विभाग, संवादन विभाग, प्रबन्ध विभाग
6. पारिभाषिक शब्दावली – ऐड, वीर, ब्लोअप, ब्युरो, कैप्सन, कवर स्टोरी, इन्ट्रो, रिलीज, इनसाइड स्टोरी फोलोअप लीड।

अनुमोदित ग्रंथ :–

1. हिन्दी पत्रकारिता का वृहत् इतिहास – अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन दिल्ली
2. टेलीविजन की कहानी – श्याम कश्यप, मुकेश कुमार, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. सिर्फ पत्रकारिता – अजय कुमार सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता – अजय कुमार सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. हिन्दी पत्रकारिता के प्रतिमान – डॉ. सतीश कुमार राय, लोकभारतीय प्रकाशन, इलाहाबाद
6. संचार के मूल सिद्धांत – प्रो. ओम प्रकाश सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. जनसंचार – सं. राधेश्याम शर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी पंचकूला
8. रेडियो प्रसारण – कौशल शर्मा, प्रतिभा प्रतिष्ठान, नई दिल्ली
9. संचारभाषा हिन्दी – सूर्यकुमार दीक्षित, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली
10. पत्रकारिता हेतु लेखन – डॉ. निशान्त सिंह, अर्चना पब्लिकेशन, दिल्ली
11. मीडिया लेखन : सिद्धान्त और प्रयोग – मुकेश मानस, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली
12. भारतीय स्वतंत्रता और हिन्दी पत्रकारिता – डॉ. वंशीधरलाल, बिहारग्रंथ कुटीर, पटना।
13. पत्रकारिता के विभिन्न संदर्भ :– डॉ. वंशीधर लाल, अनुपम प्रकाशन, पटना।
14. भारतीय इलेक्ट्रॉनिक मीडिया – डॉ. देवव्रत सिंह, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
15. वेब पत्रकारिता : नया मीडिया, नये रुझान – शालिनी जोशी, शिवप्रसाद जोशी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
16. न्यू मीडिया, इंटरनेट की भाषायी चुनौतियाँ और सम्भावनाएँ, सं. आर. अनुराधा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
17. योद्धा पत्रकार – हेमंत, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली।
18. समकालीन हिन्दी मीडिया – सं. विजय दत्त श्रीधर, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली।
19. पत्रकार प्रेमचन्द्र – डॉ. सतीश कुमार राय, समीक्षा प्रकाशन, मुजफ्फरपुर।
20. सामयिक मीडिया शब्दकोश – हर्षदेव, सामायिक प्रकाशन दिल्ली।
21. भारतेन्दु युगीन हिन्दी पत्रकारिता – डॉ. वंशीधर लाल, अनुभव प्रकशन, कानपुर।
22. हिन्दी पत्रकारिता और संचार माध्यम , डॉ. जितेन्द्र कुमार सिंह, निर्मल पाब्लिकेशन्स, नई दिल्ली।
23. पत्रकारिता के सैद्धान्तिक आयाम – डॉ. विनय कुमार चौधरी
24. प्रयोजन मूलक हिन्दी और पत्रकारिता के नये परिप्रेक्ष्य – डॉ. विनय कुमार चौधरी

Scanned with OKEN Scanner

CC-12
क्रेडिट – 5

Course Code: PUHIN 512:

उर्दू साहित्य

1. उर्दू भाषा : उद्‌भव और विकास
2. उर्दू काव्य रूपों का परिचय – मसनवी, गजल, नज्म, रुबाई, कसीदा, मर्सिया
3. उर्दू कहानी
4. उर्दू नाटक

अनुमोदित ग्रंथ :–

1. उर्दू भाषा और साहित्य – रघुपति सहाय फिराक गोरखपुरी, हिन्दी–समिति, लखनऊ
2. उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – एहतेशाम हुसैन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. उर्दू शायरी : आजादी के बाद – जाफर रजा, लोक भारती
4. उर्दू कविता का विकास – कृष्णचन्द्र लाल, अभिधा प्रकाशन, मुजफ्फरपुर
5. उर्दू साहित्य कोश – कमल नसीम, वाणी प्रकाशन दिल्ली

अथवा

बांग्ला साहित्य

1. बांग्ला भाषा : उद्‌भव और विकास
2. प्रारम्भिक बांग्ला काव्य
3. मध्यकालीन बांग्ला काव्य (विशेषतः चैतन्य, चण्डीदास, कृतिवास ओझा)
4. आधुनिक बांग्ला काव्य – विशेषतः बिहारी लाल चक्रवर्ती, माइकेल मधुसूदन दत्त, रवीन्द्रनाथ ठाकुर, काजी नजरु इस्लाम, जीवनानन्दा दास, विष्णु दे, बुद्धदेव वसु सुनील गंगोपाध्याय और शंकर घोष
5. आधुनिक बांग्ला कहानी – विशेषतः रवीन्द्रनाथ ठाकुर शरतचन्द्र विभूतिभूषण बन्धोपाध्याय, ताराशंकर बन्धोपाध्याय, आशापूर्णा देवी
6. बंकिमचन्द्र चटर्जी – सुबोध चन्द्र सेनगुप्त, अनु. श्रवण कुमार, साहित्य अकादमी, दिल्ली।
7. काजी नजरु इस्लाम – गोपाल हल्दार, अनु. विनोद भारद्वाज, साहित्य अकादमी, दिल्ली

Scanned with OKEN Scanner

CC-13

क्रेडिट – 5

Course Code: PUHIN 513:

समकालीन हिन्दी कविता

1. केदारनाथ अग्रवाल – जनता, जो शिलाएँ तोड़ते है, पूंजीपति और श्रमजीवी, धरती, यदि आएगा डालर, नागार्जुन के बाद आने पर
2. नागार्जुन – प्रतिबद्ध हूँ, बादल को घिरते देखा है, सिन्दुर तिलकित भाल, हरिजन गाथा, प्रेत का बायान, कालिदास
3. त्रिलोचन – फेरीवाला, उस जनपद का कवि हूँ मैं, गीतामयी हो तुम, चम्पा काले काले अच्छर नहीं चीन्हती, धुप सुन्दर, नगई महरा
4. मुक्तिबोध – अन्धेरे में
5. अज्ञेय – असाध्यवीणा, नदी के द्वीप, साम्राज्ञी का नैवेद्य दान
6. शमशेर बहादूर सिंह – प्रेम चुका भी हूँ मैं, बात बोलेगी, अमन का राग, एक नहीं पीली, शाम, सारनाथ
7. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना – काठ की घंटियाँ, अपनी बिटिया के लिए दो कविताएँ, भेड़िया–2, तुम्हारे लिए कुआनो नदी, लूशुन और चिड़ियाँ
8. विजयदेव नारायण साही – कौन पुकारता है, लय, कभी नहीं, सुर्ख माला, संलाप में
9. रघुवीर सहाय – पढ़िए गीता, रामदास, आत्महत्या के विरुद्ध, लोग भूल गये हैं, चेहरा, स्वछन्द लेखक
10. कुँवर नारायण – आत्मजयी भारतीय ज्ञारपीठ
11. केदारनाथ सिंह – बनारस, टूटा हुआ ट्रक, बैल, बाघ
12. धूमिल – मोचीराम, पटकथा, संसद से सड़क तक

[इनमें से किन्हीं छह कवियों का चयन किया जाना है]

अनुमोदित ग्रंथ

1. केदारनाथ अग्रवाल : प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. अरुण कमल : प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. केदारनाथ सिंह : प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. मुक्तिबोध : प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. वि. प्र. तिवारी : प्रतिनिधि कविताएँ राजकमल, प्रकाशन नई दिल्ली
6. शमशेर बहादुर सिंह : प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना : प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
8. त्रिलोचन : प्रतिनिधि कविताएँ राजकमल, प्रकाशन नई दिल्ली
9. आज के लोकप्रिय कवि अज्ञेय, राजपाल एंड संस, नई दिल्ली
10. रघुवीर सहाय : प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
11. मदन कश्यप : कवि ने कहा किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली
12. विजयदेव नारायण साही, साखी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
13. समकालीन हिन्दी कविता : विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, लोकभारतीय प्रकाशन, इलाहाबाद
14. कविता का वर्तमान : खगेन्द्र ठाकुर, परिमल, प्रकाशन, इलाहाबाद
15. समकालीन काव्य – यात्रा – नन्द किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन दिल्ली

Scanned with OKEN Scanner

16 मुक्तिबोधः ज्ञान और संवेदना – नन्द किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
17. हिन्दी के प्रगतिशील और समकालीन कवि – डॉ. रणजीत, साहित्य रत्नालय, कानपुर।
18. कविता के नये प्रतिमान – डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
19. कविता की जमीन और जमीन की कविता– डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
20. नयी कविता और अस्तित्ववाद – रामविलास शर्मा, राजकमल।
21. आधुनिक कवि – विश्वम्भर मानव, रामकिशोर शर्मा लोकभारती प्रकाशन।
22. आधुनिकी कविता यात्रा– रामस्वरूप चतुर्वेदी लोकभारती प्रकाशन
23. कविता के तीन दरवाजे – अशोक वाजपेयी, राजकमल
24. कविता का उत्तर जीवन : परमानन्द श्रीवास्तव, राजकमल
25. हिन्दी कविता अभी बिल्कुल अभी, नन्दकिशोर नवल, राजकमल
26. समकालीन हिन्दी कविता : ए विंदाशन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
27. अन्तस्तल का पूरा विप्लव : अंधेरे में, सं. निर्मला जैन–राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
28. नागार्जुन अंतरंग और सृजनकर्म– सं. मुरली मनोहर प्रसाद सिंह, चंचल चौहान, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
29. कवि परम्परा की पड़ताल – हेमन्त कुकरेती, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली
30. महाकाव्य से मुक्ति – डॉ. रेवतीरमण, अभिव्यक्ति प्रकाशन इलाहाबाद।
31. विमोचन – रेवतीरमण, साहित्य अकादमी, दिल्ली
32. शमशेर बहादुर सिंह – प्रभाकर श्रोत्रिय, साहित्य अकादमी, दिल्ली
33. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना – कृष्णदत्त पालीवाल, अकादमी, दिल्ली साहित्य
34. कुँवर नारायण : उपस्थिति – सं. यतीन्द्र मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
35. छायावादोत्तर हिन्दी काव्य – सं. डॉ. विनय कुमार चौधरी

Scanned with OKEN Scanner

CC-14
क्रेडिट – 5

Course Code: PUHIN 514:

काव्यशास्त्र

भारतीय काव्यशास्त्र का इतिहास – सामान्य परिचय
प्रमुख आचार्य और काव्यशास्त्रीय सम्प्रदाय
काव्यलक्षण काव्यहेतु, काव्य प्रयोजन, काव्यरीति, कवि समय
रस सिद्धान्त – रस की अवधारणा, रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति और साधारणीकरण
ध्वनि सिद्धांत – ध्वनि की अवधारणा, ध्वनि विचार का स्त्रोत, ध्वनि का वर्गीकरण, ध्वनि सिद्धांत का महत्त्व
प्लेटो : अनुकरणमूलक काव्य सिद्धांत
अरस्तू – अनुकरण – सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत त्रासदी
क्रोचे अभिव्यंजनावाद
एलिएट–परंपरा की अवधारणा, निर्वैयक्तिक काव्य का सिद्धांत
आई. ए. रिचर्ड्स, मूल्य सिद्धांत, संप्रेषण सिद्धांत

अनुमोदित ग्रंथ :–

1. निर्मला जैन, कुसुम बांठिया – पाश्चात्य साहित्य चिंतन
2. गणेश त्र्यंबक देशपांडे – भारतीय साहित्यशास्त्र
3. बलदेव उपाध्याय – संस्कृत आलोचना
4. पीवी काणे – हिस्ट्री ऑफ संस्कृत पोएटिक्स, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
5. शंकर देव अवतरे – रस प्रक्रिया
6. डॉ. नगेन्द्र काव्यशास्त्र की भूमिका
7. राममूर्ति त्रिपाठी – भारतीय काव्यशास्त्र के नए क्षितिज
8. भागीरथ मिश्र – काव्यशास्त्र
9. भोलाशंकर व्यास – ध्वनि सम्प्रदाय और उनके सिद्धांत
10. राममूर्ति त्रिपाठी – भारतीय काव्य विमर्श
11. आचार्य चण्डिका प्र. शुक्ल – ध्वन्यालोक
12. डॉ. नगेन्द्र – पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास, नेशनल पब्लिसिंग हाउस, नई दिल्ली
13. सीमोन द बोउवार – स्त्री : उपेक्षिता, अनु. प्रभा खेतान, हिन्द पॉकेट बुक्स
14. जर्मन ग्रीयर – विद्रोही स्त्री, अनु. मधु बी. जोशी, राजकमल प्रकाशन
15. Rene Wellek – History of Modern Criticism 1780-1950.
16. Jonathan Guller – Structuralist poetics : Sturctualism, lingutstics and the study of literature. The persuit of Signs : Semiotics Literation Decoustruction Routledge ad Kegan
17. Terry Eagleton – Criticism and society in literary History
    The ideology of Aesthetics. Oxford University Press, London.
18. Edward Said – The Word, the next and critic Harvard Uni. Press.
19. Tesil Moi – Sexual texual politics : Feminist Literary theory.
20. रामचन्द्र शुक्ल – रस मीमांसा
    – चिंतामणि भाग – 1 और 2
21. गोपीचंद नारंग – संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद एवं प्राच्य काव्यशास्त्र साहित्य अकादमी, दिल्ली
22. Mery Beth Rose – Gender and Heroism in Early Modern Literature, University of cincago Press.
23. अप्रस्तुत योजना : स्वरूप और विश्लेषण – डॉ. कामेश्वर पंकज

Scanned with OKEN Scanner

चतुर्थ सेमेस्टर

CC-15

क्रेडिट – 5

Course Code: PUHIN 515:

साहित्य का समाजशास्त्र और संस्कृतिमूलक अध्ययन

समाजशास्त्रीय दृष्टि से साहित्य के अध्ययन की परंपराएँ : पाश्चात्य और भारतीय

प्रमुख साहित्यिक समाजशास्त्री : इपालित अडोल्फ तेन, लियो लोवैठंल, लूसिए गोल्डमान और रेमंड विलियस

साहित्य के समाजशास्त्र की प्रमुख दृष्टियाँ – साहित्य में समाज की खोज, समाज में साहित्य और साहित्यकार की स्थिति, साहित्य और पाठक–समुदाय, लोकप्रिय साहित्य का समाजशास्त्र, साहित्य और जनसंचार का माध्यम

साहित्य की प्रमुख पद्धतियाँ – विधेयवाद, अनुभववाद, संरचनावाद और मार्क्सवाद

साहित्य का संस्कृतिमूलक अध्ययन : भारतीय अवधारणाएँ, धर्म और संस्कृति, जाति और संस्कृति

साहित्य के संस्कृतिमूलक अध्ययन की विभिन्न दृष्टियाँ – प्राच्यवादी दृष्टि, उत्तर औपनिवेशिक दृष्टियाँ, संरचनावाद (सस्यूर, लेवीस्ट्रास, रोला, बार्च) उत्तरसंरचनावाद (देरिदाँ, लांका, फूको)

मार्क्सवाद (अल्थूसर, जॉन फिस्के, हैबरमॉस) स्त्री चिंतन

भूमंडलीकरण और मीडिया के दौर में संस्कृति के रूप और साहित्य

उपभोक्तावादी संस्कृति के विभिन्न रूप और साहित्य

अनुमोदितग्रंथ :–

1. मैनेजर पांडेय – साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका
2. नर्मला जैन (सं.) – साहित्य का समाजशास्त्रीय चिंतन
3. नूरचंद जोशी – परिवर्तन और विकास के सांस्कृतिक आयाम
4. Escarpit Robert – Sociology of literature, London, 1965
5. Laurenson, Diana and Swingwood, alanhall – sociology of literature
6. Alam Swingwood – The Novel of Revloution
7. Lichol Zeraffia – Fictions : The Novel and Social reality
8. Raymond Williams – The long Revolution
9. Leo Lowemthal – Literature and the image of man.
10. jke/kkjh flag *fnudj*& laLd`fr ds pkj v/;k;
11- Lauis Althuer – for Marx
12. Ajar Ahmad – In theory
13. Leela Gandhi – Post colonialism
14. Homi Bhabha (Ed.) Nation and Narration
15. Meenakshi Gigi Durhan and Douglas Kelliner – Media and Cultural studies Keywords.
16. Pramod K. Nayyer – Literary theory today
17. Cumber to Eco – Towards a semiotic inquiry into T.V message.

Scanned with OKEN Scanner

CC-16
क्रेडिट – 5

Course Code: PUHIN 516:

MHNEC-I से किसी एक और MHNEC-II किसी एक विकल्प का चयन करना होगा

MHNEC-I

(क) कहानी

कथा, किस्सा और कहानी
लोककथा और कहानी
शार्टस्टोरी और कहानी
उर्दू कहानी और हिन्दी कहानी
कहानी का विश्व परिदृश्य और हिन्दी कहानी
कहानी और राजनीति
प्रेमचंद पूर्व हिन्दी कहानी
प्रेमचंद और उनके समकालीन
प्रेमचंदोत्तर हिन्दी कहानी की प्रमुख प्रवृत्तियाँ – आंचलिक कहानी, नयी कहानी, समान्तर कहानी, अकहानी
समकालीन कहानी
हिन्दी कहानी और दलित स्वर
हिन्दी कहानी और स्त्री स्वर
गाँव, शहर और कहानी
पाठ – बंग महिला (दुलाई वाली), किशोरीलाल गोस्वामी (इंदुमती) चन्द्रधर शर्मा गुलेरी (उसने कहा था), प्रेमचंद (मुबारक बीमारी), जयशंकर प्रसाद (ग्राम), राजा राधिकारमण प्रसाद सिंह (कानों में कंगना), जैनेन्द्र (खेल), अज्ञेय (गैंग्रीन) भुवनेश्वर भेड़िये यशपाल (उतमी की माँ), फणीश्वरनाथ रेणु (तीसरी कसम), निर्मल वर्मा (परिन्दे) अमरकांत (जिन्दगी और जोंक), मोहन राकेश (परमात्मा का कुत्ता), भीष्म साहनी (चीफ की दावत), कृष्णा सोबती (मित्रो मरजानी), ज्ञानरंजन (घंटा), शेखर जोशी (काशी का घटवारा), काशीनाथ सिंह (अधूरा आदमी), मन्नू भंडारी ( ), सूंजय (कामरेड का कोट), उदयप्रकाश (तिरिछ) चन्द्र किशोर जायसवाल (हिंगवाघाट में पानी रे) रामधारी सिंह दिवाकर (नवजात)

अनुमोदित ग्रंथ :–

1. जैनेन्द्र कुमार – कहानी : अनुभव और शिल्प, पूर्वोदय प्रकाशन, दिल्ली 1973
2. नामवर सिंह – कहानी : नई कहानी, लोकभारती, इलाहाबाद
3. राजेन्द्र यादव – नई कहानी : संवेदना और स्वरूप, नेशनल पब्लिसिंग हाउस, दिल्ली
4. धनंजय (सं.) – समकालीन कहानी : दिशा और दृष्टि
5. देवीशंकर अवस्थी (सं.) नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति, राजकमल दिल्ली, 1966
6. विजयमोहन सिंह – आज की हिन्दी कहानी, राधाकृष्ण प्रकाशन
7. मधुरेश – नई कहानी : पुनर्विचार, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
– हिन्दी कहानी : अस्मिता की तलाश, आधार, प्रकाशन
8. विश्वनाथ त्रिपाठी – कुछ कहानियाँ : कुछ विचार, पंचकूला, दिल्ली
9. बलराज पाण्डेय – नई दिल्ली आंदोलन की भूमिका, अनामिका प्रकाशन, इलाहाबाद
10. देवेश ठाकुर – हिन्दी की पहली कहानी, मीनाक्षी प्रकाशन, मेरठ
11. देवीशंकर अवस्थी – दिवके के रंग, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
12. नेमिचन्द्र जैन – अधूरे साक्षात्कार
13. नित्यानंद तिवारी – सृजनशीलता का संकट
14. रामदरश मिश्र – हिन्दी कहानी : एक अंतरंग पहचान
15. राजेन्द्र चौधरी – नई कहानी : प्रकृति और पाठ
16. कमलेश्वर : नई कहानी की भूमिका
17. निर्मल वर्मा – कला का जोखिम
18. मुक्तिबोध – एक साहित्यिक की डायरी

Scanned with OKEN Scanner

MHNEC-I
(ख) आधुनिक हिन्दी नाटक एवं रंगमंच

आधुनिक हिन्दी रंगमंच
अन्धेर नगरी – भारतेन्दु हरिश्चंद्र
स्कन्द गुप्त, लहरों के राजहंस, कोणार्क
काबिरा खड़ा बाजार में, भीष्म साहनी
शकुन्तला की अंगूठी –
अन्धा युग – धर्मवीर भारती, किताब महल, इलाहाबाद
एकांकी सप्तक– सं. डॉ. चम्पा श्रीवास्तव, प्रो. राजेन्द्र कुमार, लोकभारती, प्रकाशन, इलाहाबाद

अनुमोदित ग्रंथ :–

1. हिन्दी नाटक : उद्‌भव और विकास – डॉ. दशरथ ओझा, राजपाल एंड संस, दिल्ली।
2. प्रसाद के नाटक – सिद्धनाथ कुमार, अनुपम प्रकाशन, पटना
3. हिन्दी नाटक का आत्मसंघर्ष – गिरीश रस्तोगी, लोकभारती
4. मोहन राकेश और उनके नाटक – गिरीश रस्तोगी, लोकभारती
5. आधुनिक नाटक का अग्रदूत मोहन राकेश – गोविन्द चातक राधाकृष्णक प्रकाशन, दिल्ली।
6. नाटककार जयशंकर प्रसाद – सत्येन्द्र कुमार तनेजा, राधाकृष्ण
7. नाटककार भारतेन्दु की रंगपरिकल्पना – सत्येन्द्र कुमार, तनेजा, राधाकृष्ण
8. नाटककार जगदीशचन्द्र माथुर – गोविन्द चातक, राधाकृष्ण
9. नाटक सिद्धान्त और प्रयुक्ति– डॉ. पूनम कुमारी– निर्मल पब्लिकेशन्स्.नई दिल्ली
10. हिन्दी नाटक के पाँच दशक – कुसुम खेमानी
11. हिन्दी एकांकी – सिद्धनाथ कुमार
12. रंगमंच का सौन्दर्यशास्त्र – देवेन्द्र राज अंकुर, राजकमल
13. साठोत्तर हिन्दी नाटक – के. बी. नारायण करुण, लोकभारती
14. हिन्दी नाटक – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
15. समकालीन हिन्दी नाटक और रंगमंच – जयदेव तनेजा, तक्षशिला, प्रकाशन दिल्ली।
16. एकांकीकार भुवनेश्वर का यथार्थबोध – सतीश कुमार राय, समीक्षा प्रकाशन, मुजफ्फरपुर
17. हिन्दी समस्या नाटकों की शिल्प विधि– डॉ. पूनम कुमारी, जयभारती प्रकाशन इलाहाबाद
18. चन्द्र किशोर जायसवाल का रचना संसार – डॉ. विनय कुमार चौधरी

MHNEC-1 (ग)

1. लोक की नृतत्त्वशास्त्रीय, एथनोग्राफी, लोक मनोवैज्ञानिक व समाज शास्त्रीय व्याख्या हिन्दी लोक साहित्य :
अध्ययन और अनुसंधान की प्रविधि – सर्वेक्षण व संकलन
लोक साहित्य का अध्ययन, विश्लेषण और मूल्यांकन
भारत में लोक साहित्य संबंधी अध्ययन और अनुसंधान
लोक संस्कृति के अंग और उसकी अभिव्यक्तियाँ – भाषा, साहित्य, संगीत, जीवन–दर्शन
लोकभाषा, परिनिष्ठित भाषा, भाषा की प्रकृति और स्वरूप, हिन्दी की ग्रामीण शैलियाँ और उनका भाषिक वैशिष्ट्य
लोकगीत, देवीगीत, जन्म संबंधी, संस्कार गीत, विवाह संबंधी, ऋतुगीत, मृत्यु संबंधी गीत, श्रम गीत
साहित्यिक रूप – श्रव्य – लोकगाथा, लोक–आख्यान, पंडवानी, आल्हा आदि
दृश्य – लोक नाट्य – रामलीला, कव्वाली, चरबैत, नौटकी, स्वांग, संगीत, विदेशिया पाठ – महेन्द्र, भिखारी ठाकुर
अनुमोदित ग्रंथ :–
1. पीयूष दहिया (सं.) – लोक
2. पीयूष दहिया (सं.) – लोक का आलोक
3. वीरेन्द्र वर्मा – लोक–साहित्य की भूमिका

Scanned with OKEN Scanner

4. डॉ. सत्येन्द्र – लोक – साहित्य, विज्ञान
5. जगदीशचन्द्र माथुर – पारंपरिक लोक – नाट्य
6. श्याम परमार – भारतीय लोक–साहित्य
7. मनोहर शर्मा – लोक साहित्य की सांस्कृतिक परंपरा
8. डॉ. कुंदन लाल उप्रेती – लोक साहित्य के प्रतिमान
9. कोशी अंचल का लोक साहित्य – डॉ. विनय कुमार चौधरी
10. कोशी अंचल के लोकगीतों का विश्लेषणात्मक अध्ययन – डॉ. विनय कुमार चौधरी
11. बिहार की लोकगाथाएँ – डॉ. विनय कुमार चौधरी
12. Zygment Bauman – culture as pararis
13. Any Gazin Schwartz – Archacology and Folklose
14. Valdinnir Propp – Theory and history of folklose
15. Donna Roserberg – Folklose, Myths and legends
16. S.P. Pandey and Awadhesh kr. Singh – Folk culture in India.
17. Syed Abdul latif – An outline of the cultural history of India.
18. Dr. P.C. Mureleemadhavan – Facets of Indian Culture
19. Krishna Murthy – Mirrors of Indian culture
20. Kapila Vatsyayan – Tradintionas of Indian folk dance
21. Richman – May Ramayana.

MHNEC-1 (घ)

आधुनिक, आधुनिकता आधुनिकीकरण, उत्तर आधुनिकता लोक से जन का संक्रमण

सांस्कृतिक पूंजी, सांस्कृतिक संस्थान
सांस्कृतिक उत्पादन, आधुनिक कला–रूप
गाँव, शहर समाज और साहित्य
औपनिवेशिक दौर और हिन्दी भाषा जनक्षेत्र, फोर्ट विलियम कॉलेज, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, नागरी प्रचारिणी सभा, हिन्दी की बहसें
भारतेन्दु मंडल, द्विवेदी युग, सरस्वती सुधारवाद, राष्ट्रवाद, साम्राज्यवाद विरोध, पश्चिम के विचार आंदोलन का प्रभाव, प्राच्यवाद
प्रगतिशील आंदोलन, राष्ट्रवाद और प्रगतिशीलता के प्रश्न
उत्तर औपनिवेशिक हिन्दी साहित्य
सांस्कृतिक इकाई के रूप में भारत
बहुभाषिकता, बहुसांस्कृतिकता
भारतीय साहित्य की अवधारणा
साहित्य और विचारधारा, साहित्य की सृजन–प्रक्रिया में लेखक और पाठक की विचारधाराओं का द्वन्द्व, साहित्यिक कृतियों की व्याख्या और विचारधारा की समस्या
संदर्भ पाठ – भारतेन्दु (अंधेर नगरी) प्रेमचंद (रंगभूमि) निराला (राम की शक्ति पूजा, तुलसीदास) ह.प्र. द्विवेदी (बाणभट्ट की आत्मकथा), श्रीलाल शुक्ल (राग दरबारी), मनोहरश्याम जोशी (कसप, कुरु–कुरु स्वाहा, हरिया, हरक्यूलिस की हैरानी) मैत्रेयी पुष्पा (इदन्नमं, अल्मा कबूतरी, चाक), अलका सरावगी (कलिकथा भाया बाइपास)
अनुमोदित ग्रंथ :–

1. रमेश कुंतल मेघ – आधुनिकता और आधुनिकीकरण
2. Authory J.Casscardi – The subject of Modernity
3. Authory Giddens – The constitution of Society
   The consequences of Modernity
4. M. Castells – The city and grassroots
5. रामविलास शर्मा – भारतेन्दु और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ
6. रामविलास शर्मा – महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण

Scanned with OKEN Scanner

7. डॉ. नगेन्द्र – भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास
8. नित्यानंद तिवारी – आधुनिक साहित्य और इतिहास–बोध
9. रामधारी सिंह 'दिनकर' – संस्कृति के चार अध्याय
10. वसुधा डालमिया – नेशनलाइजेशन ऑफ हिन्दू ट्रेडिशन : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र एंड नाइनटीथ सेंचुरी बनारस
11. D.P. Mukerji – Modern India Culture : A sociological study, Bombay, 1948.
12. Raymond William – Marixm and Literature
13. Terry Eagleton – Criticism and Ideology
Ideology : An Introduction.

MHNEC-I

(ङ.) क्षेत्र के प्रमुख कथाकार

इन चार कथाकारों में से किसी एक का चयन अपेक्षित है

(i) vuwiyky eaMy & 1- dsUnz vkSj ifjf/k
2- jDr vkSj jax
3- rwQku vkSj fruds
4- ehekalk

(ii) Q.kh'oj ukFk js.kq & 1- ijrh % ifjdFkk
2- iYVwckcw jksM
3- dyad eqfDr
4- Bqejh

(iii) MkW- jke/kkjh flag *fnokdj* & 1- vkx] ikuh] vkdk'k
2- vdky la/;k
3- nkf[ky [kkfjt
4- nl izfrfuf/k dgkfu;k¡

(iv) pUnzfd'kksj tk;loky & 1- xokg xSj gkftj
2- nqf[k;k nkl dchj
3- ek¡
4- eSa ugha ek[ku [kk;ks

lgk;d xzaFk &

1- laØe.k vkSj js.kq dh vkSiU;kfld ukfj;k¡ & MkW- lqjsUnz ukjk;.k ;kno
2- d`frdkj vkSj drZ`Ro & MkW- lqjsUnz ukjk;.k ;kno
3- vuwi yky eaMy thou vkSj lkfgR; & pUnz ukjk;.k flag
4- ifj"kn~& if=dk vuwiyky e.My vad & fcgkj jk"V²Hkk"kk iVukA
5- vyf{kr xkSjo js.kq & lqjsUnz ukjk;.k ;kno

Scanned with OKEN Scanner

MHNEC-II

खण्ड – 'क'

कामकाजी हिन्दी

1. हिन्दी के विभिन्न रूप–सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, माध्यम भाषा इत्यादि।
2. राजभाषा के प्रमुख प्रकार्य – प्रारूपण, पत्रलेखन, टिप्पणी, संक्षेपण, पल्लवन
3. पारिभाषिक शब्दावली – स्वरूप और महत्व, निर्माण के सिद्धांत

खण्ड – 'ख'

हिन्दी कम्प्यूटिंग

1. कम्प्यूटर : परिचय, उपयोग, वेब पब्लिशिंग।
2. इंटरनेट : सम्पर्क उपकरणों का परिचय, इन्टरनेट एक्साइलोड (नेट स्क्रेप), लिंक, ब्राउजिंग ई–मेल भेजना और प्राप्त करना, हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट, पोर्टल लोडिंग, अपलोडिंग, हिन्दी सॉफ्टवेयर पैकेज।

खण्ड – 'ग'

अनुवाद

1. अनुवाद का स्वरूप, प्रकार महत्त्व, आदर्श अनुवाद के अभिलक्षण।
2. पारिभाषिक शब्दावली के अनुवाद।

खण्ड – 'घ'

राजभाषा एवं जनसंचार

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी के क्षेत्र।
2. जनसंवाद एवं जनसंपर्क ।
3. राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति।

अनुमोदित ग्रंथ :–

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी – विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी – दंगल झाल्टे
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धांत एवं प्रयुक्ति डॉ. जितेन्द्र कुमार सिंह
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी और पत्रकारिता – डॉ. दिनेश प्रसाद सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
5. प्रयोजनमूलक हिन्दी की नयी भूमिका – कैलाशनाथ पाण्डेय, लोकभारती, प्रकाशन, इलाहाबाद
6. प्रयोजनमूलक हिन्दी – डॉ. माधव सोनटक्के, लोकभारती, प्रकाशन
7. प्रयोजनमूलक हिन्दी – प्रो. रमेश जैन, नेशनल पाब्लिशिंग हाउस दिल्ली।
8. प्रयोजनमूलक हिन्दी – पी. लता, लोकभारती प्रकाशन दिल्ली।
9. अनुवाद सिद्धान्त एवं व्यवहार – डॉ. जयन्ती प्रसाद नौटियाल, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
10. राजभाषा सहायिका – अवधेशमोहन गुप्त, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
11. प्रयोजन मूलक हिन्दी और पत्रकारिता के नये परिप्रेक्ष्य–डॉ. विनय कुमार चौधरी

Scanned with OKEN Scanner

MHNEC-II

(ड़) कथेतर गद्य

1. क्या भूलूँ क्या याद करूँ – बच्चन, राजपाल एंड सन्स दिल्ली। संक्षित्प संस्करण
2. आवारा मसीहा – विष्णु प्रभाकर
3. पथ के साथी – महादेवी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. ऋणजल धनजल – फणीश्वर नाथ रेणु, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. निबन्ध – प्रस्तावित निबन्ध – मजदूरी और प्रेम, कविता क्या है', अशोक के फूल, गेहूँ और गुलाब, सदाचार का ताबीज।

प्रताप नारायण मिश्र, सरदार पूर्ण सिंह, आचार्य रामचन्द्र, शुक्ल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ. विद्यानिवास मिश्र, कुबेरनाथ राय, दिनकर, बेनीपुरी, आचार्य शिवपूजन सहाय, आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा, हरिशंकर परसाई

अनुमोदित ग्रंथ :–

1. वाङ्मय विमर्श – आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. साहित्यिक विधाएँ : रूपात्मक विकास – डॉ. बैजनाथ सिंहल, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला
3. आत्मकथा की संस्कृति – पंकज चतुर्वेदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. आत्मकथा और उपन्यास – ज्ञानेन्द्र कुमार, सन्तोष, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

Scanned with OKEN Scanner